Hindi Literature
Std IX

साखी (कबीरदास)

कबीरदास की साखियों के मुख्य बिन्दु

- गुरु का स्थान ईश्वर से भी ऊँचा क्यों है।
- गुरु ही, ईश्वर कौन है बताता है और उनके पास पहुँचने का सही मार्ग बताता है।
- अहंकार के साथ ईश्वर नहीं रह सकते। ईश्वर केवल उन्हें ही प्राप्त हो सकता है जो अहंकार शून्य हो।
- मुसलमान द्वारा दी जाने वाली अजान की आवाज का कबीरदास ने विरोध किया क्योंकि उन्हें सब सुनाई देता है, वे बहरे नहीं हैं।
- हिंदुओं द्वारा की जाने वाली मूर्ति पूजा का भी उन्होंने विरोध किया है।
- कबीरदास जी कहते हैं कि पत्थर पूजने से यदि भगवान मिलेंगे तो कबीरदास जी पहाड़ की पूजा करने को तैयार हैं।
- मूर्ति से अच्छी चक्की को कहा है जिससे अनाज पीस कर लोग पेट भरते हैं।
- ईश्वर के गुण अनंत हैं।
- सात समुद्र के पानी को स्याही बनादिया जाय सारे जंगल के पेड़ों को कलमें बना दी जाए और पूरी धरती को कागज बना दिया जाए फिर भी ईश्वर के गुणों को लिखना पूरा नहीं होगा।
- कबीर की भाषा सधुक्कड़ी या पंचमेल खिचड़ी भाषा कहा जाता है।
- कबीर निर्गुण तथा निराकर ईश्वर के उपासक थे।

साखियों पर आधारित प्रश्न जिन्हें 'अभ्यास पुस्तिका' में दिया गया है उन्हें अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखें:

व्याकरण :-

Teacher's Signature ________

Scanned with CamScanner

Jagmaya

Page No.

Date

1) एकार्थक प्रतीत होने वाले शब्द (पृष्ठ संख्या 269 – 270)
1 से 15 तक कापी में लिखें।

2) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द (पृष्ठ संख्या 273 – 274)
सीख कर उत्तर पुस्तिका में लिखें।

3) मुहावरे

पृष्ठ 311 — 313 तक सीख कर उत्तर पुस्तिका में लिखें।

Scanned with CamScanner